

**विधिवेत्ता** वि. (तत्.) विधि नियम का उत्तम जानकार, कानून को जानने वाला वकील, न्यायशास्त्री।

**विधि संहिता** स्त्री. (तत्.) शास्त्रीय विधियों का निर्देशक ग्रंथ, सरकारी कानूनों की पुस्तक, किसी मुख्य विषय से संबंधित विविध नियमों, कानूनों का संग्रह कि इनकी पुनरावृत्ति अथवा विरोध न हो, संविधान।

**विधि-सम्मत** वि. (तत्.) विधि- सम्मत, शास्त्रीय विधान अथवा नियम, कानून के अनुसार स्वीकार्य।

**विधि-हीन** वि. (तत्.) विधि रहित, नियम कानून के अनुसार न होना।

**विधु** पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. कपूर 3. विष्णु 4. ब्रह्मा 5. राक्षस।

**विधुदार** स्त्री. (तत्.) चंद्रमा की पत्नी।

**विधुनन** पुं. (तत्.) कंपन, हिलना, थरथराहट।

**विधुनित** वि. (तत्.) कम्पित, क्षुब्ध, तीव्र वायु से विधुनित लपटें।

**विधुप्रिया** स्त्री. (तत्.) चन्द्रमा की पत्नी (रोहिणी)।

**विधुबंधु** पुं. (तत्.) दे. विधुवदनी।

**विधुवदनी** स्त्री. (तत्.) चंद्रमा के समान सुंदर मुखवाली स्त्री, सुंदरी।

**विधुमंडल** पुं. (तत्.) चंद्रमा।

**विधुमुखी** स्त्री. (तत्.) चंद्रमा के समान सुंदर मुख वाली स्त्री, सुंदरी, चंद्रमुखी।

**विधुर** वि. (तत्.) जिस व्यक्ति पत्नी का देहांत हो गया हो, पत्नी के वियोग में दुःखी व्यक्ति। पीडित संतान, रँडुआ।

**विधुवदनी** पुं. (तत्.) दे. विधुमुखी।

**विधूत** वि. (तत्.) हिलता हुआ, काँपता हुआ, चंचल।

**विधृत** वि. (तत्.) 1. धारण किया हुआ 2. धारित 3. ग्रहण किया हुआ, गृहीत, पकड़ा हुआ, धृत अधिकार में लिया हुआ।

**विधेय** वि. (तत्.) 1. जिसे करना उचित हो, कर्तव्य 2. जो विधि या नियम द्वारा जाना जाए, आज्ञापालक 3. जो किया जाने को हो ऐसा कर्तव्य कर्म व्या. 4. वाक्य का वह अंश, शब्द जो किसी के सम्बन्ध में कहा गया हो।

**विधेयक** पुं. (तत्.) किसी विधि, नियम का पूर्व रूप जो संसद/विधान सभा, आदि में विचारार्थ प्रस्तुत किया जाता है।

**विध्य** वि. (तत्.) 1. जिसका वेध हो सके 2. जो वेधा जाने योग्य हो, वेध्य।

**विध्यात्मक** वि. (तत्.) 1. विधि/नियम से संबंधित 2. जो विधिपरक हो, निषेधात्मक, नहीं सकारात्मक।

**विध्याभास** पुं. (तत्.) काव्य. शास्त्र में एक अर्थालंकार जिसमें घोर अनिष्ट की आशंका दिखाते हुए अनिच्छापूर्वक किसी बात की अनुमति दी जाती है, अनिष्ट की आशंका/ आभास।

**विध्वंस** पुं. (तत्.) समूल नाश, विनाश, बरबादी, विरोध, शत्रुता, अपमान, तिरस्कार।

**विध्वंसक** वि. (तत्.) विनाश करने वाला, विनाशक, बरबादी करने वाला, एक प्रकार का लड़ाई का जहाज।

**विध्वंसी** पुं. (तत्.) 1. नाश करने वाला-विध्वंसक 2. नष्ट करने वाला 3. टुकड़े-टुकड़े होने वाला, शत्रु, दुश्मन।

**विध्वस्त** वि. (तत्.) 1. नष्ट किया हुआ 2. छितराया, बिखेरा हुआ, धुंधलता, ग्रहण ग्रस्त।

**विनंठा** वि. (तत्.) बर्बाद/बरबाद जैसे- पांसी विनंठा कप्पड़ा।

**विन सर्व.** (तत्.) 'उस' का बहुवचन 'उन' जैसे- विन के कहे के हम चले गए।

**विनत** वि. (तत्.) 1. किसी सामने नत मस्तक हो 2. जिसने किसी के सामने मस्तक झुका रखा हो 3. झुका हुआ, नम, शिष्ट, विनीत।

**विनता** स्त्री. (तत्.) 1. विनीत स्त्री 2. ऋषि कश्यप की पत्नी और पक्षिराज गरुड़ की माता।

**विनति** स्त्री. (तत्.) झुकना, नम्रता, विनय, प्रार्थना।